

**आनलाईन कक्षा म सबको स्वागत**  
**कक्षा -६**  
**हिन्दो**  
**पाठ -1**  
**आओ हम अच्छे बने**

**CHANGING YOUR TOMORROW**

डॉ.सिद्धया पुराणिक का जन्म सन् 1918 म कनाटक के दयापुर नामक गांव में हुआ। इनके पिता का नाम कल्लिनाथ तथा माता का नाम दानम्मा था इन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के रूप में कायभार संभाला ।



डॉ.सिद्धया पुराणिक



डॉ.टी.जी.प्रभाशंकर 'प्रेमी'

## पाठ प्रवेश-

शंशाक बाबु के दो बच्चे थे .... । रामु बहुत दुष्ट और मुना शान्त स्वभाव का था । एक दिन पिताजी दोनो को लेकर बगिचे में धुम धुम रहे थे ..... । रामु बगिचे में बिच्छूबूटी को देख उसे उखाडकर बाहार फेंक दिया । यह देख शशांक बाबु उसे इस प्रकार का व्यवहार के कारण पुछे तो उसने इस पेड कि कोई आवश्यकता नहीं है कहा ..... । उसके बात सुनकर शशांक बाबु उसे समझाते हैं कि मनुष्य भी अगर अच्छे गुण, नीतिवान, विवेकवान परिश्रमी होगा तो सब उसे पसंद करेगें । उसका जीवन सुखमय होगा साथ ही साथ हमारा देश भी एक महान देश बन पाएगा ..... ।

## संबंधित प्रश्न –

१. शशांक बाबु के कितने बच्चे थे और उनका नाम क्या था ?
२. कौन शांत और कौन दुष्ट था ?
३. रामु किस वृक्ष को उखाडकर बाहार फेंक दिया ?
४. रामु क्यों इस प्रकार का काम किया था ?
५. रामु के बात सुनकर शशांक बाबु उसे क्या कहते हैं ?
६. भारत की शान किस प्रकार बढेगा ?

## सामान्य उद्देश्य –

मनुष्यों में विवेकवान, परिश्रमी तथा नैतिकता जैसे गुण होना-चाहिए । ऐसे व्यक्ति ही अच्छे नागरिक कहलाता है ।

## विशिष्ट उद्देश्य –

एक अच्छा नागरिक ही अच्छा भविष्य का निर्माण कर सकता है । छात्रों में देश के प्रति आदर सम्मान की भाव जाग्रत कराना है । एक अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है ।

गृहकार्य:

पाठ को पढ़कर उनके कठिन शब्दों को रेखांकित करना ।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**

